ताल-बेताला

शशिकांत गुप्ते,
मोबाइल नं.
78984-88217

घर फूंक तमाशा देख

आज भी बहुत दिनों के बाद मेरे व्यंग्यकार मित्र सीतारामजी से मेरी भेंट हुई। नमस्कार की औपचारिकता के बाद सीतारामजी अपनी वास्तविकता में आ गए। मुझ से कहने लगे आज स्व. रामचंद्र नारायण जी द्विवेदी जी अर्थात गीतकार,कवि प्रदीप जीवित होते तो संभवतः उन्हें भी प्रताड़ना सहन करना पड़ती। मै ने पूछा क्यों और कैसे?

सीतारामजी ने जवाब दिया आपने सन 1958 में प्रदर्शित फिल्म तलाक के लिए गीतकार स्व.,प्रदीप द्वारा रचित गीत की पंक्तियां सुनो बिगुल बज रहा आजादी का, गगन गूंजता नारों से मिला रही है आज हिंद की मिट्टी नजर सितारों से एक बात कहनी है लेकिन, आज देश के प्यारो से जनता से, नेताओ से, फौजों की खड़ी कतारों से कहनी है इक बात हमें इस देश के पहरेदारों से संभल के रहना अपने घर में छुपे हुए गद्दारों से झांक रहे हैं अपने दुश्मन अपनी ही दीवारों से ए भारत माता के बेटों, सुनो समय की बोली को फैलाती जो फूट यहां पर, दूर करो उस टोली को कभी न जलने देना फिर से, भेद भाव की होली को सारी बस्ती जल जाती है, मुट्ठी भर अंगारों से मैने कहा प्रदीप जी ने जब देशभक्ति के गीत लिखे तब लोकतंत्र के प्रति हमारी पूर्ण आस्था थी। मैने यह भी कहा मुझे याद है,जब घोषित आपातकाल था,तब किसी व्यंग्यकार ने लिखा था, दो तोले की जुबान पर,ढाई मन का ताला कैसा शासन है साला साथ किसी ने संत तुलसीदास द्वारा रचित निम्न चौपाई का उल्लेख भी किया था जासु राज प्रिय प्रजा दुखारी सो नृप अवसी नरक अधिकारी

अर्थात जिस राजा के राज्य व्यवस्था में प्रजा दुःखी होती है,वह राजा अवश्य ही नर्क में जाता है।

सीतारामजी ने कहा त्रेता युग में कुंभ मेले नहीं होते थे,और नहीं कोई वाशिंग मशीन भी होगी,जो निष्कृष्ठ दर्जे के पाप कर्मों को भी धो दे?

मै ने कहा मुझे सन 1958 में ही प्रदर्शित फिल्म सोने की चिड़ियां के लिए गीतकार साहिर लुधियानवी द्वारा रचित निम्न गीत की पंक्तियों का स्मरण होता है,

बेकस की तबाही के सामान हजारों हैं
दीपक तो अकेला है,तूफान हजारों हैं
लाचार किया हमको लाचार किया हमको
दुःख दर्द जलन आंसू, क्या क्या ना दिया हमको
सूरत से तो इंसान हैं दुश्मन हैं मुहब्बत के
सब चोर हैं डाकू हैं मां-बहनों की इज्जत के
कहने को जमाने में इन्सान हजारों हैं
हमदर्द नहीं मिलता फिर आए जहां भर में

मैने कहा बात जब निकलती है,तब दूर तलक जाती है। लोकतंत्र के समर्थक और अपनी बेबाक राय रखने वालें हमेशा निम्न नारे को ही बुलंद करते हैं। सच कहना अगर बगावत है तो समझो हम भी बागी है लेकिन कुछ लोग होते हैं,जिनके लिए शायर स्व. राहत इंदौरी ने निम्न शेर लिखा है,

ये लोग पांव नहीं जेहन से अपाहिज हैं
उधर चलेंगे जिधर रहनुमा चलाता है

सीतारामजी ने मुझ से कहा,आज की मुलाकात बस इतनी, कर लेना बातें कल चाहे जितनी।

राम राम

आरसीबी और सीएसके में आज रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। इस मैच में सीएसके जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। इसका कारण है कि वह अपने घरेलू मैदान पर खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा। इसके अलावा टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। उसने शुरुआती मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अच्छी जीत दर्ज की थी। वहीं आरसीबी की टीम इस मैदान में अब तक केवल एक बार ही जीती है। वह भी 17 साल पहले साल 2008 में। इसके बाद से ही आरसीबी को यहां एक भी जीत नहीं मिली है। ऐसे में आरसीबी का लक्ष्य इस बार किसी भी हाल में जीतना रहेगा। साल 2008 सत्र में जब आसीबी को जीत मिली थी। उस टीम से अब केवल विराट कोहली ही एकमात्र खिलाड़ी हैं जो वर्तमान टीम में हैं।

ऐस में आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतना रहेगा हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं होगा क्योंकि सीएसके की टीम के स्पिनरों का सामना करना उसे लिए आसान नहीं होगा। इस मैदान पर पिच स्पिनरों की सहायक रही है। सीएसके टीम के पास रविंद्र जडेजा आर अश्विन जैसे अनुभवी स्पिनर हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद को भी टीम में उसने शामिल किया है। इन गेंदबाजों ने कुछ दिन पहले ही पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। इसको देखते हुए आरसीबी के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा।

आरसीबी के बल्लेबाजों को सीएसके के स्पिनरों के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक होने के लिए काफी ध्यान से खेलना होगा। इस मामले में विराट को बल्लेबाजी की कमान संभालनी होगी। स्पिन का सामना करना हालांकि उनका मजबूत पक्ष नहीं रहा है लेकिन पिछले दो वर्षों में उन्होंने इस विभाग में काफी सुधार दिखाया है। इस बदलाव का मुख्य कारण स्पिनरों के खिलाफ अधिक स्वीप और स्लॉग स्वीप खेलने की उनकी इच्छा है और कोहली को इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

कोहली का इसमें फिल सॉल्ट, कप्तान रजत पाटीदार, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा जैसे बल्लेबाजों को साथ देना होगा। इस पिच को देखते हुए आरसीबी टिम डेविड की जगह जैकब बेथेल को अंतिम एकादश में रख सकती है। इससे टीम को बाएं हाथ का एक स्पिनर भी मिल जाएगा। इस मैच में टीम की नजरें तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की फिटनेस पर भी रहेंगी। वह फिट नहीं होने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पहले मैच से बाहर थे। अगर वह फिट हुए तो उन्हें रसिख सलाम की जगह एकादश में जगह मिल सकती है।

वहीं सीएसके की जीत के लिए उसके मध्यक्रम को रन बनाने होंगे। पहले मैच में शिवम दुबे, दीपक हुड्डा और सैम कुरेन असफल रहे थे। उन्हें रचिन रविंद्र और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा अनुभवी महेंद्र सिंह धोनी से टीम इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद करेगी। सीएसके के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना अगर फिट हुए तो इस मैच में उनका खेलना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र धोनी, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, ब्रेयस गोपाल, वंश बेदी और आंद्रे सिद्धार्थ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, कृणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वस्तिक चिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह और मोहित राठी।

हरभजन बोले, हिंदी कमेंट्री की गुणवत्ता को बेहतर बनाएंगे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह आजकल कमेंट्री के क्षेत्र में सक्रिय है। हरभजन आईपीएल में कमेंट्री कर रहे हैं। इसी दौरान हरभजन ने हिंदी कमेंट्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाने वाले एक प्रशंसक को भी जवाब दिया है। इससे पहले इस प्रशंसक ने सोशल मीडिया में कहा था कि पहले हिंदी कमेंट्री काफी अच्छी थी पर आजकल ऐसा नहीं रहा है। इसमें जानकारी कम और व्यंगात्मक टिप्पणियां अधिक होती हैं। इसी को लेकर हरभजन ने इस प्रशंसक को दिये जवाब में कहा कि इसमें सुधार किया जाएगा। इस पूर्व भारतीय स्पिनर ने सोशल मीडिया में लिखा, जानकारी के लिए धन्यवाद। हम इसे सुझाव पर काम करेंगे। गौरतलब है कि आईपीएल में हरभजन सिंह के अलावा वीरेंद्र सहवाग, नवजोत सिंह सिद्धू, शिखर धवन, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा के आलावा आकाश चोपड़ा सहित कई अन्य पूर्व क्रिकेटर हिंदी कमेंट्री पैनल में शामिल हैं।

न्यूजीलैंड के लाथम एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए, ब्रेसवेल होंगे कप्तान

वेलिंग्टन । मेजबान न्यूजीलैंड टीम को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में कप्तान टॉम लाथम के बिना ही उतरना पड़ेगा। इसका कारण है कि कीवी टीम के कप्तान लाथम चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गए है। लाथम को हाल ही में हाथ में चोट लगी थी जो अब तक ठीक नहीं हुई है। कीव क्रिकेट ने बताया कि एक्स-रे रिपोर्ट में गंभीर चोट पायी गयी है। ऐसे में टीम की कप्तानी अब माइकल ब्रेसवेल को सौंपी गयी है। वहीं हेनरी निकोल्स को टीम में शामिल किया गया है।

श्रेयस ने शॉर्ट पिच गेंदों को बेहतर तरीके से खेलना सीखा : केन विलियमसन

अहमदाबाद । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने अपने खेल में काफी सुधार किया है।

विलियमसन ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेली 97 रनों की पारी के लिए भी श्रेयस को सराहा। साथ ही कहा कि मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने शॉर्ट पिच गेंदों को खेलने जैसी चुनौतियों से भी बेहतर तरीके निपटना सीख लिया है। अय्यर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 42 गेंदों पर नौ छक्कों और पांच चौके लगाये थे। विलियमसन ने कहा, 'श्रेयस के लिए सबसे अधिक लाभप्रद ये रहा कि उसने अपने खेल में लगातार सुधार किया है। एक समय पर उन्हें गेंदबाज शॉर्ट पिच गेंदों से अपने शिकार बना लेते थे पर अब उसने अपनी ये कमजोरी दूर कर ली है। उसने इस बार शॉर्ट पिच गेंदों का बड़ी अच्छी तरह से सामना किया है। उन्होंने कहा, 'उसकी सबसे बड़ी विशेषता आगे के पांव में तेजी से वजन डालना है जिससे उन गेंदबाजों के लिए मुश्किल बढ़ जाती है जो उन्हें कभी शॉर्ट और फिर फुल लेंथ गेंद से परेशान करते थे। अब वह मैदान के हर क्षेत्र में शॉट लगा रहा है, जिससे वह एक संपूर्ण बल्लेबाज के तौर पर सामने आया है। इसी कारण ही उसने गुजरात के खिलाफ पहली गेंद से ही आक्रमण शुरु कर दिया था।

इंग्लैंड दौरे पर भी रोहित ही रहेंगे कप्तान : रिपोर्ट

मुम्बई । रोहित शर्मा का आगामी इंग्लैंड दौरें में भी भारतीय टीम का कप्तान बने रहना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस दौरे के लिए कप्तानी में किसी प्रकार के बदलाव के पक्ष में नहीं है। भारतीय टीम साल 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने के इरादे से इस दौरे पर जाएगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम विफल रही थी। जिसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को कप्तानी से हटाया जा सकता है पर चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को मिली जीत के बाद बोर्ड रोहित को अभी और अवसर देना चाहता है। रोहित ने भी हाल ही में कहा था कि अभी उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। चयन समिति के आईपीएल फाइनल से पहले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम घोषित करने की उम्मीद है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर वाली समिति इसके साथ ही चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम का भी चयन करेगी। ये मैच टेस्ट सीरीज से पहले खेले जाएंगे। इस टीम में राष्ट्रीय टीम के कुछ खिलाड़ी भी खेलेंगे।

भारतीय महिला हॉकी टीम लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों में लगी

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा से भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी टीम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने पिछले महीने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे।

पीएसएल में कराची किंग्स की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे वॉर्नर

लाहौर । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड वॉर्नर अगले माह 11 अप्रैल से शुरु हो रहे पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 10 सत्र में कराची किंग्स की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे। कराची किंग्स ने वॉर्नर को अपना नया कप्तान बनाया है। वार्नर को शान मसूद की जगह कप्तान बनाया गया है। वॉर्नर पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग में खेलते हुए नजर आएंगे। वॉर्नर को इससे पहले आईपीएल में किसी भी टीम ने अपने साथ नहीं जोड़ा था। ऐसे में उन्होने पीएसएल में खेलने पाक का रुख किया। वॉर्नर को इसमें कराची ने उन्हें अपने साथ जोड़ा। कराची किंग्स के मालिक सलमान इकबाल ने वॉर्न को कप्तान सौंपने पर खुशी जताते हुए कहा, हम डेविड वॉर्नर का नए कप्तान के रूप में कराची किंग्स परिवार में स्वागत करते हैं। एक लीडर और मैच विजेता के रूप में उनका ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा हैहै। हम पिछले सत्र में कप्तान रहे शान मसूद के योगदान की भी सराहना करते हैं। एक मजबूत नींवं रखने में उनके प्रयास अहम थे। हमें टीम ने एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उनसे काफी उम्मीदें हैं। गौरतलब है कि वॉर्नर को टी20 क्रिकेट का खास अनुभव है।

उन्होंने आईपीएल, बिग बैश लीग सहित कई लीगों में कप्तानी की है। वह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 399 टी20 मैचों में 37.00 की औसत से 12913 रन बनाए हैं।

निडर होकर खेल रहे युवा भारतीय क्रिकेटरों से प्रभावित हैं स्टोइनिस

नई दिल्ली । आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने भारत के युवा क्रिकेटरों की जमकर प्रशंसा की है। स्टोइनिस ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय युवा खिलाड़ी निडर होकर खेल रहे हैं वह सराहनीय है।

स्टोइनिस के अनुसार इसी कारण भारतीय टीम को टी20 प्रारुप से रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के एकसाथ संन्यास लेने से भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इनकी जिम्मेदारी बाद तिलक वर्मा , अभिषेक शर्मा और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों ने अच्छी तरह से संभाल ली है। वह पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की पारी से भी प्रभावित नजर आये। स्टोइनिस ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। वह हमेशा से रही है। और मेरा मानना है कि आईपीएल से उनके खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपने कौशल का नमूना पेश करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, ' युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं क्योंकि उन्हें अपने करियर की में ही आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में दबाव के हालातों से गुजरने का लाभ मिल जाता है। खेल के प्रति उनका आक्रामक रवैया वास्तव में शानदार है।

एशेज सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हट जाएगा गाबा मैदान

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्टेडियम में अब प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा। इस मैदान पर दशकों से क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) मुकाबले होते रहे हैं। को 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट और फुटबॉल का गढ़ माना जाता है पर अब क्वींसलैंड सरकार ने इस ऐतिहासिक मैदान की जगह विक्टोरिया पार्क में एक नया, अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यह स्टेडियम करीब 63,000 दर्शकों की क्षमता वाला होगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का एक ऐसा मैदान माना जाता है जहां उसे हमेशा ही जीत मिलती रही है हालांकि साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर जीतक मेजबान टीम का अजेय वाला रिकार्ड तोड़ दिया था। भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के

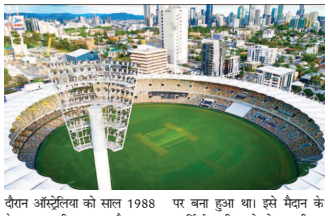

दौरान ऑस्ट्रेलिया को साल 1988 के बाद पहली बार इस मैदान पर पराजित किया था। गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था। इसे मैदान के पुनर्निर्माण की पहले योजना थी पर भारी भरकम खर्च को देखते हुए रद्द कर दिया गया। लोग इस स्टेडियम के भी भारी रकम खर्च करने के खिलाफ थे जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दबाव में था। वहीं सरकार ने अब तय किया है कि गाबा की जगह एक नया अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा, जो आधुनिक खेल सुविधाओं से परिपूर्ण होगा और इससे क्वींसलैंड के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे। नए स्टेडियम के निर्माण में लगभग 3.8 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की लागत आएगी। इसे क्रिकेट, एएफलएल फुटबॉल और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाएगा। क्वींसलैंड के प्रीमियर डेविड क्रिसफुली ने इस परियोजना की घोषणा करते हुए कहा कि यह नया स्टेडियम क्रिकेट और अन्य खेलों के लिए एक शानदार मंच बनेगा। इस मैदान पर भविष्य में आईसीसी टूर्नामेंट, बिग बैश लीग और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। गाबा स्टेडियम का क्रिकेट इतिहास बेहद समृद्ध रहा है। यहां 1931 में पहला टेस्ट मैच खेला गया था और तब से लेकर अब तक इस मैदान पर कुल 67 पुरुषों के टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। महिला क्रिकेट में भी गाबा ने अपनी जगह बनाई ।

स्वामी मेसर्स एसोसिएटेड प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स (एम.पी.) प्रा.लि. इंदौर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशके मोनिका सेठ द्वारा 17, न्यू देवास रोड (संजय गांधी मार्ग) इंदौर से मुद्रित एवं 5, प्रेस कॉम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित संपादक-मोनिका सेठ,
फोन नं. 3551753, 2434701, 2544433,फैक्स - (0731) - 2434701, समाचार पत्र से प्रकाशित समाचार के लिए सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा। समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार*